81	रसादान	
82	भनकस्तु घरमरा ४दार म्राशिता ॥ ३६८ ॥	
83	भक्तमनं क्रूरमन्था भिस्सा दीदिविहोदनः गाने जनाए ग्रियम	
84	म्रशनं तीवनकं च याता वातः प्रसादनम् ॥ ३१५ वाता वातः	1
85	भिरसरा रिग्धका ॥ महानिष्ठकारण	
86	सर्वर्साय्यं मणड- । नोनन् । जम	- 4
87	अस्तिमान विष्नुत्र तु ।	
88	द्धिते मस्तु	1
89	भक्तोत्थे निःस्रावाचाममासराः ॥ ३६६ ॥	
90	श्राणा विलेपी तरला यवागूरु जिकापि च गाना विल्ला	
91	मूपः स्यात्प्रक्तिं सूदो अस्ताने ह जानक	01
92	व्यञ्जनं तु घृतादिकम् ॥ ३६० ॥	11
93	तुल्या तिलाने कृशर्तिसरा-माना कार्यात्र	21
94	वध पिष्टकः।	13
95	पूर्वा ज्यूपः	i
96	पूलिका तु पोलिकापै। लिपूपिकाः ॥ ३६८॥	61
97	e. blib blib is in 15062014	91
98	ल्यथेषत्पक्को स्युर्भ्यूषाभ्ये।षपौलयः । 82 Gefrässig (A.W.) — 82 84 Spring rollander Printer W.	
	82. Gefrässig (4 W.). — 83. 84. Speise, gekochter Reis (12 W.) Verbrannter Reis (2 W.). — 86. Schaum. — 87. 88. Scha	
auf	der geronnenen Milch 89. Schaum auf dem kochenden	Reis
(3 W). — 90. Reisbrei (5 W.). — 91. Brühe (3 W.). — 92. Brühe, mit welcher die Speisen begossen werden, wie geklärte Butter. —		
93. Reis mit Sesamkörnern 2 W.). — 94. 95. Kuchen (3 W.).		
96. 97. Besondere Art Kuchen (5 W.) 98. Nicht ganz ausgebacke-		
ner	Kuchen (3 W.) 15. 16 Zwei Produkte desselben (.W E) nadau.	5)